www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 289 || लखनऊ
गुरूवार
22 जनवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 07:02
सूर्यास्तः 05:52
अधिकतमः 24°00
न्यूनतमः 10°00

पेज 03

विशेष समाचार
पार्टी अध्यक्ष के रूप में नितिन ... >> पेज 02
'प्रॉपर्टी के लिए जहर देकर पति को ... >> पेज 04
अंकिता लोखंडे ने भी 2016 वाले ...

कोर्ट के बाहर जमकर नारेबाजी, एएसपी अनुज चौधरी पर एफआईआर का दिया था आदेश

जज के तबादले पर भड़के संभल के वकील

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल/चंदौसी। यूपी के संभल जिले में शाही जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर मामले के दौरान हुई हिंसा के मामलों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले चंदौसी के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) विभांशु सुधीर का सुल्तानपुर स्थानांतरण कर दिया गया है। उनके स्थानांतरण की खबर से चंदौसी जिला न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं में नाराजगी और हड़कंप मचा है। विभांशु सुधीर ने एक सप्ताह पहले ही संभल हिंसा मामले में तत्कालीन क्षेत्राधिकारी (सीओ) रहे एएसपी अनुज चौधरी समेत 20 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे। यह आदेश गोली लगने से घायल खग्गू सराय निवासी एक युवक के पिता की याचिका पर सुनवाई के दौरान जारी किया गया था। उनके इस साहसिक और पारदर्शी निर्णय को लेकर अधिवक्ताओं और नागरिकों की प्रशंसा भी हुई थी। इस आदेश के बाद पुलिस प्रशासन और न्यायिक प्रक्रिया की सक्रियता को लेकर जिले में चर्चा शुरू हो गई। अधिवक्ताओं और नागरिकों का कहना है कि साहसिक और निष्पक्ष फैसले लेने वाले अधिकारियों का सम्मान होना चाहिए, न कि उनका अचानक तबादला।अधिवक्ताओं का कहना है कि न्यायपालिका में पारदर्शिता और सक्रियता बनाए रखना बेहद आवश्यक है।

>> (शेष पेज 04 पर)

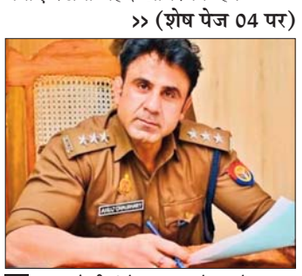

अनुज चौधरी, इंस्पेक्टर अनुज तोमर समेत 15–20 पुलिसकर्मियों पर FIR का आदेश था

संभल हिंसा

सीजेएम विभांशु ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ कई आदेश दिए

CJM विभांशु सुधीर ने 24 दिसंबर, 2025 को संभल में फर्जी मुठभेड़ के मामले में तत्कालीन इंस्पेक्टर पंकज लवानिया सहित 13 पुलिसकर्मियों पर FIR का आदेश दिया था। इनमें घटना के समय तैनात रहे 2 इंस्पेक्टर, 4 दरोगा और सिपाही शामिल थे। कोर्ट ने थाना बहजोई के थानाध्यक्ष को निर्देश दिए कि तत्काल मुकदमा दर्ज कर 3 दिनों के अंदर कोर्ट में रिपोर्ट सौंपें। थाना बहजोई क्षेत्र में 7 जुलाई 2022 को मुठभेड़ के दौरान ओमवीर, धीरेंद्र और अवनेश को गिरफ्तार किया गया था। ओमवीर ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत वाद में तत्कालीन सीओ गोपाल सिंह को फर्जी मुठभेड़ का आरोपी बताया था।

एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा था- हिंसा की ज्यूडिशियल इन्क्वायरी हो चुकी है। इसलिए ये एफआईआर दर्ज नहीं की जाएगी। हम कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील करेंगे। संभल की जामा मस्जिद को लेकर हिंदू पक्ष ने दावा किया था ये पहले हरिहर मंदिर था, जिसे बाबर ने 1529 में तुड़वाकर मस्जिद बनवा दिया। इसे लेकर 19 नवंबर, 2024 को संभल कोर्ट में याचिका दायर हुई। उसी दिन सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य सिंह ने मस्जिद के अंदर सर्वे करने का

एसपी केके बिश्नोई ने कहा था- फैसले के खिलाफ अपील करेंगे

कोर्ट ने रमेश सिंह राघव को एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किया। उसी दिन शाम 4 बजे सर्वे के लिए टीम मस्जिद पहुंच गई। 2 घंटे सर्वे किया। हालांकि, उस दिन सर्वे पूरा नहीं हुआ। इसके बाद 24 नवंबर को सर्वे की टीम जामा मस्जिद पहुंची। मस्जिद के अंदर सर्वे हो रहा था। इसी दौरान बड़ी संख्या में लोग जुट गए। भीड़ ने पुलिस टीम पर पत्थर फेंके। इसके बाद हिंसा भड़क गई। इसमें गोली लगने से 4 लोगों की मौत हो गई

सीओ अनुज चौधरी को प्रमोट कर एएसपी बनाया गया था। वह इस समय फिरोजाबाद में तैनात हैं।

> अधिवक्ताओं ने यह भी कहा कि बेहतर कार्य करने वाले अधिकारी का अचानक स्थानांतरण न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्यायिक सक्रियता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। उन्होंने मांग की कि इस फैसले पर पुनर्विचार किया जाए और इसे लेकर तथ्य सार्वजनिक रूप से सही ढंग से पेश किए जाएँ।

अधिवक्ताओं में गहरा रोष, प्रदर्शन

बुधवार को जिला न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं ने विभांशु सुधीर के स्थानांतरण का विरोध किया। अधिवक्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कहा कि विभांशु सुधीर ने अपने कार्यकाल में न्यायिक कार्यों में सक्रियता और पारदर्शिता का परिचय दिया। उनके कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण और सराहनीय निर्णय लिए गए।

स्थानांतरण का आदेश और प्रशासनिक बदलाव

हाईकोर्ट के आदेश के तहत विभांशु सुधीर का सुल्तानपुर में स्थानांतरण कर दिया गया है। उनके स्थान पर सिविल जज (वरिष्ठ श्रेणी) आदित्य सिंह को सीजेएम चंदौसी नियुक्त किया गया है। वहीं, इसी प्रशासनिक फेरबदल के तहत सीतापुर की सीजेएम राजेंद्र कुमार सिंह को कन्नौज स्थानांतरित किया गया है।

24 नवंबर, 2024 को संभल में मस्जिद के सर्वे को लेकर हिंसा हुई थी।

एयरफोर्स का प्लेन क्रैश, तालाब में गिरा

प्रयागराज। प्रयागराज में एयरफोर्स का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। एयरक्राफ्ट हवा में उड़ते-उड़ते डगमगाया और तालाब में गिर गया। 2 सीटर एयरक्राफ्ट में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। हादसा बुधवार दोपहर करीब 12:20 बजे केपी कॉलेज के पीछे हुआ। यह शहर के बीचों-बीच का इलाका है। तालाब के पास स्कूल और रिहायशी कॉलोनियां हैं। यहां से माघ मेले की दूरी 3 किमी है। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, एयरक्राफ्ट क्रैश होने से पहले दोनों पायलट पैराशूट से कूद गए और तालाब में गिरे। वहां दलदल में फंस गए थे, जिन्हें स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला। जिस तालाब में विमान गिरा है, वहां चारों तरह जलकुंभी उगी हुई है। एयरक्राफ्ट तक रेस्क्यू टीम पहुंच गई हैं। सेना, फायर ब्रिगेड, SDRF और NDRF मौके पर हैं। रेस्क्यू अभियान जारी है।

लालच की महामारी पूरे भारत में फैल गई : राहुल

जनता को सत्ता से जवाबदेही मांगनी होगी

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि देश भर में लालच की महामारी फैल चुकी है। इसका सबसे भयावह चेहरा शहरी बदहाली के रूप में सामने आ रहा है। लोगों को सरकार से जवाबदेही की मांग करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता और बड़े कॉरपोरेट घरानों के बीच सांठगांठ के कारण लोकतंत्र की मूल भावना कमजोर हो रही है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब सवाल पूछे जाएंगे।

>> (शेष पेज 04 पर)

राहुल ने दिल्ली का वीडियो शेयर किया

राहुल ने मीडिया रिपोर्ट का वीडियो भी साझा किया, जो कथित तौर पर दिल्ली के मुबारकपुर डाबस स्थित शर्मा एन्क्लेव का है।

प.बंगाल की फाइनल वोटर लिस्ट की तारीख बदल सकती है

ईसी बोला- 14 फरवरी तक सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक काम पूरा होना मुश्किल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की समय-सीमा बढ़ाई जा सकती है। चुनाव आयोग 14 जनवरी को जारी होने वाली फाइनल वोटर लिस्ट की तारीख बढ़ाने पर विचार कर रहा है। आयोग ने सुनवाई की अंतिम तारीख 7 फरवरी और फाइनल वोटर लिस्ट की अंतिम तारीख 14 फरवरी तय की थी। EC अधिकारी ने कहा- लोकल लेवल पर लिस्ट लगाना, हर वोटर को रसीद देना लंबी प्रोसेस है। जल्दबाजी नहीं कर सकते। अधिकारी के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पूरी तरह पालन करना मौजूदा समय-सीमा में मुश्किल है। इसलिए अतिरिक्त समय-प्रशासनिक

तैयारी की जरूरत पड़ सकती है। हालांकि अंतिम फैसला होना बाकी है। 19 जनवरी की SC ने लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी नोटिस वाले 1.25 करोड़ वोटर्स को लिस्ट ग्राम पंचायत भवन, ब्लॉक कार्यालय और वार्ड कार्यालय में सार्वजनिक करने के निर्देश दिए थे। SIR के बाद राज्य की फाइनल ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 16 दिसंबर को जारी हुई थी। बंगाल में 58 लाख 20 हजार 898 वोटरों के नाम हटाने के लिए तय किए गए थे। इन पर दावे और आपत्तियों की लिमिट पहले 15 जनवरी तक थी, जिसे बढ़ाकर 19 जनवरी किया गया। सुनवाई अभी भी 7 फरवरी तक तय है। सुप्रीम कोर्ट ने लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी नोटिस के तहत पश्चिम बंगाल के 1.25 करोड़ वोटर्स को अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने के लिए एक और मौका दिया। कहा कि वे 10 दिन में अपने डॉक्यूमेंट्स चुनाव आयोग को पेश करें। चुनाव आयोग ने राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के दौरान नाम, सरनेम, आयु में गड़बड़ी की वजह 1.25 करोड़ वोटर्स को लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी नोटिस जारी किया था।

फास्ट न्यूज

मॉडर्न वॉर में एयर पावर निर्णायक : मार्शल एपी सिंह

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने आधुनिक युद्ध में वायु सेना की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया है। उन्होंने कहा- हर जगह वायु शक्ति ने ही निर्णायक भूमिका निभाई है। चाहे वह संघर्ष क्षेत्र से लोगों को सुरक्षित निकालने की बात हो, या फिर कुछ ही घंटों में पाकिस्तान के ठिकानों पर हमला कर यह संदेश देना हो कि अब बहुत हो चुका है। यदि हमें प्रभावशाली शक्ति बनना है।

कोहरे में 4 गाड़ियां टकराईं, 10 घायल

नई दिल्ली/लखनऊ/जयपुर/देहरादून। राजस्थान के सीकर जिले में बुधवार सुबह धुंध के कारण चार बस-ट्रक की भिड़ंत हो गई। इसके बाद और गाड़ियां बस से टकरा गईं। हादसे में 10 लोग घायल हो गए। बिहार के अररिया, पूर्णिया सहित 5 जिलों में कोहरा रहा। सुबह विजिबिलिटी कम होने से 5 ट्रेनें लेट चल रही हैं। औरंगाबाद समेत कई शहरों में सुबह से बादल छाए हुए हैं। मध्य प्रदेश में 23 और 24 जनवरी को ग्वालियर-रीवा समेत 10 जिलों में बारिश का अलर्ट है। इस दौरान कोहरा भी छाया रहेगा। उधर, यूपी सहित देश के 6 राज्यों में दो दिन बाद बारिश की संभावना है। राजस्थान में ओले भी गिर सकते हैं। उत्तरकाशी में चीन सीमा से लगी नेलांग घाटी में नदियां जम गईं।

7 दशक बाद फिर खोदी गई अश्वमेध यज्ञशाला की जमीन

देहरादून। देहरादून से लगभग 50 किलोमीटर दूर बाड़वाला स्थित जगतग्राम इन दिनों एक बार फिर इतिहास के पन्नों में लौट रहा है। करीब 7 दशक बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने यहां अश्वमेध यज्ञ से जुड़ी चौथी यज्ञशाला (वेदिका) की खोज के लिए उत्खनन शुरू किया है। इससे पहले 1952 से 1954 के बीच हुए उत्खनन में तीन यज्ञ शालाएं मिल चुकी थीं, लेकिन चौथी की तलाश अब जाकर दोबारा शुरू हो सकी है।

कर्नाटक के राज्यपाल का जॉइंट सेशन संबोधित करने से इनकार

मंत्री ने मुलाकात की, एक दिन पहले तमिलनाडु

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने बुधवार को विधानसभा और विधान परिषद के जॉइंट सेशन को संबोधित करने से इनकार कर दिया है। सत्र 22 जनवरी से शुरू होगा और 31 जनवरी तक चलेगा। इस मामले में कर्नाटक के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके. पाटिल के नेतृत्व में एक दल लोक भवन में राज्यपाल से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि राज्यपाल के ऑफिस ने सरकार के अभिभाषण के 11 पैरा पर आपत्ति जताई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब एक दिन पहले ही पड़ोसी और गैर-भाजपा शासित राज्य केरल और तमिलनाडु में भी राज्यपालों के विधानसभा संबोधनों को लेकर विवाद हुए हैं। कर्नाटक विधानसभा सत्र के हंगामेदार होने के

आसार हैं। दरअसल, कांग्रेस सरकार केंद्र की भाजपा-नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ प्रस्ताव लाने की योजना बना रही है। MGNREGA को खत्म कर उसकी जगह विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) [VB-G RAM G] अधिनियम लाए जाने का विरोध किया जाएगा और MGNREGA की बहाली की मांग की जाएगी।

>> (शेष पेज 04 पर)

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने पत्र को बताया अपमानजनक और सुप्रीम कोर्ट की अवमानना, 24 घंटे में वापस लेने की मांग

शंकराचार्य संबोधन विवाद पर माघ मेला प्रशासन को कानूनी नोटिस

> अविमुक्तेश्वरानंद ने लिखाझ सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया है, जिससे मुझे शंकराचार्य पद पर बने रहने से रोका गया हो। मामला कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए किसी भी तीसरे पक्ष को टिप्पणी करने या रोक लगाने का अधिकार नहीं है।

पलटवार

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज माघ मेला प्रशासन द्वारा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के 'शंकराचार्य' संबोधन पर उठाए गए सवालों के जवाब में अब संत की ओर से तीखा पलटवार किया गया है। उनके अधिवक्ता अंजनी कुमार मिश्रा के माध्यम से प्रयागराज मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष को एक कानूनी नोटिस भेजा गया है, जिसमें प्रशासन की कार्रवाई को न केवल अपमानजनक बताया गया है, बल्कि इसे माननीय सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court) की

अवमानना करार दिया गया है। नोटिस में स्पष्ट रूप से मांग की गई है कि मेला प्रशासन द्वारा 19.01.2026 को जारी किए गए उस पत्र को 24 घंटे के भीतर वापस लिया जाए।

>> (शेष पेज 04 पर)

> नोटिस में इस बात का भी उल्लेख किया गया है कि प्रशासन ने 19 जनवरी की रात को, जब स्वामी जी सो रहे थे, पुलिस बल के साथ शिविर के प्रवेश द्वार पर नोटिस चस्पा की थी। इसे 'जगद्गुरु शंकराचार्य' संस्था का अनादर और अपमान बताया गया है।

क्या है मुख्य विवाद?

दरअसल, मेला प्रशासन ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से उनके 'शंकराचार्य' पद की वैधानिकता के प्रमाण मांगे थे। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस जारी कर 24 घंटे में जवाब मांगा गया था। अविमुक्तेश्वरानंद की ओर से उस नोटिस का आठ पन्नों में जवाब देने के बाद अब कानूनी नोटिस के जरिए यह संदेश दिया गया है कि धार्मिक पदों की गरिमा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रशासन की नोटिस के जवाब में क्या कहा

मेला प्रशासन के नोटिस के जवाब में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि नोटिस में सुप्रीम कोर्ट के जिस आदेश का हवाला दिया गया है, वो 14 अक्तूबर 2022 का है जबकि 11 सितंबर 2022 को शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के ब्रह्मलीन होने के अगले दिन 12 सितंबर को स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के आश्रम में शंकराचार्य के तौर पर उनका पट्टाभिषेक हो चुका था। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अधिवक्ता टीएन मिश्र ने इस बारे में विस्तार से बताया। अधिवक्ता टीएन मिश्र ने बताया कि कोर्ट ने अपने आदेश में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को खुद शंकराचार्य लिखा है।

सम्मेलन : लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रीय विधायी सूचकांक बनाने की घोषणा की

86वाँ अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन संपन्न

तमसा संकेत, एजेंसी

उत्तर प्रदेश विधान भवन, लखनऊ में 19 से 21 जनवरी, 2026 तक आयोजित 86वाँ अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (AIPOC) बुधवार को लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के समापन भाषण के साथ संपन्न हो गया। इस सम्मेलन में देशभर की विधायिकाओं की भूमिका, कार्यकुशलता और लोकतांत्रिक जवाबदेही को लेकर व्यापक चर्चा की गई। लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने अपने संबोधन में 'राष्ट्रीय विधायी सूचकांक' (नेशनल लेजिस्लेटिव

इंडेक्स) तैयार करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे देश की विधायिकाओं के कार्यों का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन संभव होगा और आपसी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा। इस उद्देश्य के लिए एक समिति के गठन की जानकारी भी दी गई।

>> (शेष पेज 04 पर)

> श्री बिरला ने कहा कि राज्य विधान मंडलों में प्रति वर्ष कम से कम 30 बैठकें आयोजित की जानी चाहिए। इससे जनता से जुड़े मुद्दों पर गंभीर और परिणामोन्मुख चर्चा को अवसर मिलेगा तथा विधायिकाएं जनता की अपेक्षाओं को बेहतर ढंग से पूरा कर सकेंगी।

समापन सत्र में शीर्ष नेतृत्व ने रखे विचार

सम्मेलन के समापन सत्र में उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, राज्य सभा के माननीय उपसभापति, उत्तर प्रदेश विधान परिषद के माननीय सभापति तथा उत्तर प्रदेश विधान सभा के माननीय अध्यक्ष ने अपने विचार व्यक्त किए। सभी वक्ताओं ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने और विधायी प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

पाकिस्तान ने कुपवाड़ा बॉर्डर पर 2 राउंड फायरिंग की

कुपवाड़ा। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) पर पाकिस्तान की ओर से मंगलवार देर रात 2 राउंड फायरिंग की गई। सेना के सूत्रों के मुताबिक 6 राष्ट्रीय राइफल्स के जवान केरन सेक्टर में हाईटेक सीसीटीवी कैमरे लगा रहे थे। इसी दौरान फायरिंग हुई। भारतीय सेना ने भी जवाबी फायरिंग की। इसके बाद इलाके की घेराबंदी की और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सूत्रों ने संभावना जताई है कि पाकिस्तान की ओर से फायरिंग घुसपैठियों की मदद के लिए की गई हो सकती है। इससे पहले मंगलवार रात जम्मू-कश्मीर के कठुआ में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास पाकिस्तानी ड्रोन नजर आया था। भारतीय सेना ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने एंटी ड्रोन सिस्टम एक्टिवेट किए थे। सेना की जवाबी कार्रवाई के बाद ड्रोन पाकिस्तान की ओर लौट गया। पिछले 10 दिनों में बॉर्डर के पास ड्रोन देखे जाने की यह पांचवी घटना थी।

बांग्लादेश के वर्ल्डकप मैच भारत में ही होंगे : आईसीसी

शेड्यूल बदलने से भी इनकार, एक दिन में जवाब मांगा

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

बांग्लादेश को 2026 टी-20 वर्ल्ड कप के अपने सभी मैच भारत में ही खेलने होंगे। ICC ने साफ कर दिया है कि टूर्नामेंट के शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। हालांकि, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) को भारत में ना खेलने की अपनी मांग पर विचार के लिए एक दिन का और समय दिया गया है। क्रिकइन्फो के मुताबिक ICC बोर्ड की बैठक में 16 में से 14 सदस्य देशों ने BCB के खिलाफ वोट किया। केवल पाकिस्तान ने बांग्लादेश का समर्थन किया। अब 22 जनवरी को यह तय होगा कि बांग्लादेश वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगा या नहीं। अगर BCB ने भारत में खेलने

बांग्लादेश क्रिकेट टीम को आईसीसी ने एक दिन का समय और दिया है।

से इनकार जारी रखा, तो उसकी जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया जा सकता है। बुधवार को ICC ने BCB और बाकी सदस्यों के साथ मीटिंग की। ICC ने कहा, अगर बांग्लादेश टूर्नामेंट खेलने के लिए भारत नहीं गया तो उन्हें दूसरी टीम से रिप्लेस कर दिया जाएगा।

सम्पादकीय

नवीन और प्राचीन के बीच भाजपा

नयी दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में उनके नाम का ऐलान किया गया। इससे पहले श्री नबीन को 14 दिसंबर 2025 को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। 18 जनवरी को उनका नामांकन हुआ और वे पूर्णकालिक अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुने गए। उनके अध्यक्ष बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें माला पहनाई, फिर करीब एक घंटे के भाषण में कहा, 'मैं भाजपा का कार्यकर्ता हूं। मैं मानता हूं कि नितिनजी मेरे बॉस हैं। अब वे मेरे काम का आकलन करेंगे।' वहीं बतौर अध्यक्ष नितिन नबीन ने पहले भाषण में कहा, 'राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मेरा निर्वाचन एक साधारण कार्यकर्ता की असाधारण यात्रा को मिला सम्मान है।' इन बातों को सुनकर किसी को भी लगेगा कि देश क्या दुनिया की सबसे बड़ी और ताकतवर पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा कितने लोकतांत्रिक मिजाज़ की है। यहां साधारण से कार्यकर्ता को भी शिखर तक पहुंचने का मौका मिलता है। एक राष्ट्रीय दैनिक ने तो शीर्षक ही दे दिया -भाजपा का नवीन युग। अलंकार के हिसाब से शीर्षक काफी उपयुक्त है। लेकिन असलियत क्या है ये नितिन नबीन भी जानते हैं, उनके पूर्ववर्ती जे पी नड्डा भी जानते होंगे और भाजपा के बाकी कार्यकर्ता भी। नितिन नबीन बिहार में पांचवी बार के विधायक हैं, यानी राजनीति में उनकी पकड़ है, इससे कोई इंकार नहीं। लेकिन राजनीति में वे अपने पिता भाजपा नेता नवीन किशोर सिन्हा की आकस्मिक मौत के बाद आए। पिता की विरासत संभालनी थी, लिहाजा भाजपा ने परिवारवाद की चिंता किए बिना उन्हें टिकट दी। और फिर लगातार चुनाव जीतकर नितिन नबीन ने अपनी योग्यता साबित की। अब उसी परिवारवाद को भुलाकर ही उन्हें पहले कार्यकारी और फिर पूर्णकालिक अध्यक्ष भी बनाया गया। क्योंकि वे अमित शाह और नरेन्द्र मोदी की पसंद हैं। जे पी नड्डा भी मोदी-शाह की ही पसंद थे, और बतौर अध्यक्ष उनका कार्यकाल बढ़ा-बढ़ाकर उन्हें शीर्ष पद पर बिठाए रखा गया। लेकिन इसके बाद शायद मोदी-शाह को लगा होगा कि इससे ज्यादा खींचने में पार्टी को नुकसान हो सकता है, तो शीर्ष पद का मोहरा बदल दिया गया। वैसे भी बिहार चुनाव जीतने के बाद मोदी-शाह को राज्य का धन्यवाद करना था, तो इसका एक तरीका यही लगा होगा। दूसरी बात युवा चेहरे को आगे रखने से रणनीतियों को धार देने में आसानी भी होती है। ध्यान रहे कि छह अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी बनी थी और नितिन नबीन का जन्म इसके भी क़रीब दो महीने बाद 23 मई 1980 को हुआ था। यानी जितनी उम्र पार्टी की है, उतनी ही उसके अध्यक्ष की भी। लेकिन इससे भी उनके नाम के चयन का कोई लेना-देना नहीं है। आज की तारीख में भाजपा में आगे रहने की एकमात्र योग्यता मोदी-शाह की पसंद होना है। जिस कांग्रेस पर भाजपा बार-बार परिवारवाद बढ़ाने का आरोप लगाती है। गांधी परिवार के वर्चस्व की आलोचना करती है, वहां स्थिति बिल्कुल अलग है। कांग्रेस में मल्लिकार्जुन खड़गे बाकायदा चुनाव लड़कर अध्यक्ष बने। उन्हें शशि थरूर ने चुनौती भी दी थी। भाजपा की तरह यहां निर्विरोध नामांकन नहीं हुआ। पार्टी के भीतर अब भी कई कांग्रेस नेता किसी फैसले पर अपनी अलग राय देते हैं, या असहमति व्यक्त करते हैं, इसके बाद भी पार्टी में बने रहते हैं। भाजपा में यह सब कभी नहीं हुआ। पहले अटल-आडवानी के युग ही भाजपा थी, जिसमें जना कृष्णमूर्ति, कुशाभाऊ ठाकरे और बंगारू लक्ष्मण जैसे कमजोर अध्यक्ष बनाए गए। नितिन गडकरी या राजनाथ सिंह जैसे कद्दावर नेताओं ने भी पार्टी की कमान संभाली, लेकिन उनसे चुनौती मिलते देख उन्हें किनारे भी कर दिया गया। अब नितिन नबीन कब तक हाशिए से दूर रखे जाएंगे, ये देखना होगा। वैसे उन्होंने भाजपा का अध्यक्ष पद तब संभाला है, जब पार्टी सबसे मजबूत स्थिति में है। 240 लोकसभा सीटें, 99 राज्यसभा सीटें, और 21 राज्यों में भाजपा या एनडीए की सरकार है। अधिकतर नगरीय निकायों पर भी भाजपा का ही कब्जा है। सत्ता के लिहाज से तो पार्टी काफी मजबूत है, लेकिन क्या संगठन के तौर पर भी यही मजबूती नितिन नबीन कायम रख पाएंगे, ये देखना होगा। क्योंकि उनके पीछे अगर अमित शाह और नरेन्द्र मोदी का हाथ है, तो वही उनके लिए बड़ी चुनौती भी हैं। प्रधानमंत्री भले उन्हें अपना बॉस बताएं, लेकिन क्या नितिन नबीन नरेन्द्र मोदी को कभी कोई सलाह दे सकते हैं, या उनके किसी फैसले पर आपत्ति जता सकते हैं, इस सवाल का जवाब वही बेहतर दे पाएंगे। नितिन नबीन के सामने फिलहाल इस साल के केरल, तमिलनाडु, प.बंगाल, असम और पुडुचेरी चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन बेहतर दिखाने की चुनौती है। लेकिन असली चुनौती तो 2029 के लोकसभा चुनावों की है, जिसमें अभी से जीत का दावा भाजपा कर चुकी है और अमित शाह के मुताबिक नरेन्द्र मोदी ही तब भी प्रधानमंत्री बनेंगे। हालांकि तब तक मोदी 80 के रहेंगे और भाजपा में यह सवाल प्रबलता से उठ सकता है कि मोदी के बाद कौन। तब शायद पार्टी में माहौल अमित शाह बनाम आदित्यनाथ योगी का बने, क्योंकि एक तरफ शाह मोदी के बाद दूसरे सबसे प्रभावशाली नेता भाजपा में हैं, जबकि योगी यह मानते हैं कि स्वीकार्यता उनकी अधिक है। पार्टी के इस संभावित आंतरिक संघर्ष में क्या नितिन नबीन निर्णायक भूमिका निभा पाएंगे, ये देखना दिलचस्प होगा। वैसे जहां तक सांगठनिक क्षमता की बात है, तो उसका प्रदर्शन नितिन नबीन 2023 के छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में भाजपा के सह-प्रभारी के तौर पर दे चुके हैं, जिसमें सत्तारूढ़ कांग्रेस को हराकर भाजपा ने अप्रत्याशित जीत दर्ज की थी।

पार्टी अध्यक्ष के रूप में नितिन नबिन का चुनाव परिवारवादी पार्टियों को सोचने पर मजबूर करेगी

"यह पार्टी द्वारा चुनाव आयोग को सौंपी गई बैलेंस शीट से स्पष्ट है, जिसमें कहा गया है कि पिछले वित्तीय वर्ष में, भाजपा ने प्रचार उद्देश्यों पर 3,335 करोड़ रुपये खर्च किए, जो पिछले चुनावों की तुलना में 246 प्रतिशत अधिक है।ताजा चुनावों में 3,335 करोड़ रुपये, जिसमें से 2,257 करोड़ रुपये विज्ञापनों पर खर्च किए गए।

नितिन नबीन मंगलवार को भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए। नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में उनके नाम का ऐलान किया गया। वे 14 दिसंबर 2025 को कार्यकारी अध्यक्ष बने थे। सोमवार को फुल टाइम अध्यक्ष पद के लिए इकलौता नामांकन आने पर वे निर्विरोध चुने गए।कार्यक्रम में PM मोदी ने उन्हें माला पहनाई, फिर 55 मिनट के भाषण में कहा, 'मैं BJP का कार्यकर्ता हूं। मैं मानता हूं कि नितिनजी मेरे बॉस हैं। अब वे मेरे काम का आकलन करेंगे।' बतौर अध्यक्ष नितिन नबीन ने पहले भाषण में कहा, 'राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मेरा निर्वाचन एक साधारण कार्यकर्ता की असाधारण यात्रा को मिला सम्मान है।' कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं को आश्चर्य है कि एक दम नये नाम को मौका दिया गया व वे थोडा नाराज भी है पर पार्टी अध्यक्ष के रूप में किसे नियुक्त किया जाना चाहिए, यह सवाल उठाने के लिए दूसरों के लिए पार्टी छोड़ने का कोई कारण नहीं है। यह दूसरों की आलोचना का विषय नहीं है कि भाजपा अध्यक्ष नितिन नबिन नाम के विधायक के पास गए। यह सवाल है कि किसे नेता माना जाना चाहिए। जब जयप्रकाश नड्डा को भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, तो इसी तरह की प्रतिक्रियाएं थीं और कई लोगों को आश्चर्य हुआ कि नड्डा कौन हैं। अब भी इन नबीन लोगों की नियुक्ति ने भाजपा को बड़े पैमाने पर झटका दिया है। नियुक्ति का स्वागत करने से पहले, कई लोगों ने अपने नए राष्ट्रपति के बारे में जानने के लिए गूगल किया। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि तब गैर-भाजपा को झटका लगा है। इस मौके पर भाजपा ने इन पैगम्बरों को ढूंढ लिया है, ऐसे नवागंतुक को शीर्ष पद पर रखकर पार्टी नेतृत्व कैसे आजाद रह सकता है; इस सवाल का जवाब यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भले ही 'एक ही काफी है' की वास्तविकता ही

काफी है, लेकिन भाजपा इस तरह के प्रयोगों को 'बर्दाश्त' कैसे कर सकती है; इसका अहम ब्योरा अख़बारों की ताजा खास रिपोर्ट में देखा जा सकता है जिनको नबीन के भाजपा अध्यक्ष के रूप में चुने जाने और इन विवरणों की घोषणा का अर्थ से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन इससे भाजपा की राजनीतिक और आर्थिक समृद्धि का पता चलना चाहिए। यानी भाजपा 1,353 करोड़ रुपये से 3,335 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जबकि कांग्रेस सिर्फ 619 करोड़ रुपये से 896 करोड़ रुपये तक ही जा सकी। यह आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि 2024-25 में भाजपा की कुल आय पिछले वर्ष की तुलना में 4,340 करोड़ रुपये से बढ़कर 6,769 करोड़ रुपये हो गई। बैलेंस में 164 करोड़ रुपये का बैलेंस था और इसमें से 9,996 यानी करीब 10,000 करोड़ रुपये कैश में थे। बैलेंस शीट से पता चलता है कि भाजपा के कैश रिजर्व में सिर्फ एक साल में 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का इजाफा हुआ है। ये आंकड़े राजनीतिक दलों और राजनीतिक विश्लेषकों के लिए आंखें खोलने वाले हैं। देश के राजनीतिक इतिहास में ऐसे बहुत कम अवसर आते हैं जब प्रधानमंत्री पार्टी के अध्यक्ष किसी न किसी छवि के साथ चुने गए हों। ये बात सही है कि जब पंडित नेहरू जैसे बहुत लोकप्रिय और बुद्धिमान व्यक्ति प्रधानमंत्री थे, तो कांग्रेस का नेतृत्व सरदार पटेल और अन्य महानुभाव करते थे, लेकिन पंडित नेहरू भी तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष पुरुषोत्तम दास टंडन के बाद ही थे। असहमति थी। उस समय टंडन को पीछे हटना पड़ा था। बाद में, उनकी बेटी के प्रधान मंत्री होने के दौरान, पार्टी अध्यक्ष और नक्शेकदम के बीच का अंतर गायब हो गया। 'इंदिरा भारत है' की घोषणा करने वाले देवकांत बरुआ को प्रधान मंत्री के रूप में नरसिम्हा राव को छोड़कर राष्ट्रपति के रूप में नियुक्त किया गया था। भाजपा के शासन के दौरान भी स्थिति नहीं बदली है। पार्टी ने बंगारू लक्ष्मण और जना कृष्णमूर्ति जैसे नेताओं को अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया और फिर लक्ष्मण को भ्रष्टाचार के मामले में फंसाए जाने पर खुद को बचाने के लिए छोड़ दिया। नितिन गडकरी, राजनाथ सिंह और अमित शाह भाजपा के अध्यक्ष बने, लेकिन जैसे-जैसे सत्ता का केंद्र मजबूत होता गया, वैसे-वैसे फेसलेस लोगों को भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त करने की परंपरा बन गई। नड्डा उनकी शुरुआत थी और नबीन उनका अगला कदम था। जब विपक्ष में बैठने की बात आती है, तो पार्टी अध्यक्ष को मजबूत होना चाहिए और जब सत्ता में हो, तो उसे शासकों की थाली के नीचे बिल्ली बनकर खुश होना चाहिए। ऐसा ही हुआ। अब भी ऐसा ही है। कांग्रेस और भाजपा में फर्क सिर्फ इतना है कि कांग्रेस में नेता अमीर हो गए और पार्टी गरीब रह गई। भाजपा के दौर में नेता भी अमीर बन गए और उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि पार्टी भी धन से भरी रहे।इससे क्या फर्क पड़ता है? यह आश्चर्य की बात नहीं है कि भाजपा नेताओं ने भी ऐसा ही सोचा है। यह पार्टी द्वारा चुनाव आयोग को सौंपी गई बैलेंस शीट से स्पष्ट है, जिसमें कहा गया है कि पिछले वित्तीय वर्ष में, भाजपा ने प्रचार उद्देश्यों पर 3,335 करोड़ रुपये खर्च किए, जो पिछले चुनावों की तुलना में 246 प्रतिशत अधिक है।ताजा चुनावों में 3,335 करोड़ रुपये, जिसमें से 2,257 करोड़ रुपये विज्ञापनों पर खर्च किए गए, जिसमें से 1,125 करोड़ रुपये अकेले इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर खर्च किए गए। इसके अलावा, भाजपा ने शीर्ष नेताओं के हवाई जहाज और हेलीकॉप्टरों पर 583 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि 2024 के लोकसभा चुनावों में 896 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

अशोक भाटिया

जन सुराज का...

ललित गर्ग

शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीतिः ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा डकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षडयंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है। ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है। गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती। यदि नागरिकों की सुरक्षा, जीवन की गरिमा और राजनीतिक अधिकारों को नजरअंदाज किया जाए, तो कोई भी समझौता खोखला साबित होगा।

बंगाल को जीतना ...

डॉ. रमेश ठाकुर

नवीन की ताजपोशी के सियासी मायने

नितिन नवीन को पार्टी की कमान सौंपकर भारतीय जनता पार्टी ने सियासी पटल पर एक नई इबारत लिखी है। पार्टी में वरिष्ठों और अनुभवी नेताओं की लंबी कतार होने के बावजूद एक युवा नेता को अध्यक्ष बनाने का सीधा-सीधा मतलब है भारतीय राजनीति में नई संस्कृति को बढ़ावा देना। दरअसल, ये ऐसा सियासी संदेश है जिसे दूसरे दलों को भी सीखना चाहिए। देश में तमाम दल ऐसे हैं जो परिवार से घिरे हैं। उनके यहां अध्यक्ष पार्टी से किसी सामान्य कार्यकर्ताओं को बनाने की रत्ती भर भी परंपरा नहीं है। कोई सोच भी नहीं सकता कि टीएमसी, शिवसेना, सपा, बसपा, टीडीपी जैसी पार्टियों में कोई सामान्य पार्टी का कार्यकर्ता अध्यक्ष भी बने लेकिन भाजपा ने नितिन नवीन को अपना अध्यक्ष बनाकर ऐसे दलों को सोचने पर विवश कर दिया है। इस परंपरा को कोई अपनाए या नहीं लेकिन दूसरे दलों के कार्यकर्ताओं में चेतनाएं जरूर जग गई हैं। वह भी अपने दल में ऐसे उच्च पदों पर आसीन होने की कल्पनाएं करेंगे हालांकि, ऐसा दूसरे दलों में भी होगा, संभव नहीं? नवीन की ताजपोशी किसी चमत्कार से कम नहीं? देशवासी भाजपा के इस कदम को राजनीति में बदलती हुई नई तस्वीर के रूप में देख रहे हैं। बीते 14 दिसंबर को उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया और 20 जनवरी को पूर्णकालिक ओहदे पर बिठा दिया गया, वह भी निर्विरोध? ये अकल्पनीय है और चमत्कारी फैसले जैसा है। नवीन का कार्यकारी अध्यक्ष का प्रोबेशन समय एक महीना ही रहा हालांकि, तमाम राजनीतिक पंडित नवीन के सामने पार्टी की लय को बरकरार रखने की चुनौती देख रहे हैं। निश्चित रूप से ऐसा देखा जाएगा, कयास भी लगाए जाएंगे लेकिन संगठन बड़ा है, टीम वर्क बेहतरीन है, सपोर्ट उन्हें वरिष्ठों की मिलेगी। इसलिए हो सकता है वह प्रेशर न लें। वैसे, नितिन नवीन की संगठनात्मक क्षमता का आकलन पार्टी अगले एकाध साल में ही कर लेगी जिसमें बंगाल विधानसभा चुनाव पहली परीक्षा होगी। बंगाल को जीतना पार्टी का न सिर्फ सपना है बल्कि मोदी-शाह के लिए प्रतिष्ठा का सवाल भी बन हुआ है।नवीन के समक्ष एक सबसे बड़ी चुनौती तो 2014 से भारतीय जनता पार्टी ने जो विस्तार किया है, उसे यथावत रखने की रहेगी। केंद्र में नरेंद्र मोदी के आगमन के बाद पार्टी में सदस्यों की संख्या पिछले के मुकाबले आधे से ज्यादा बढ़ी। क्योंकि सदस्यता के लिहाज से भाजपा मौजूदा वक्त में विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है जिसमें युवाओं की तादाद बहुतायत है, इसलिए युवा नेताओं के जोश और अनुभव में उन्हें तालमेल बिठाकर चलना होगा। दक्षिण भारत को भेदना अब भाजपा के लिए अंतिम लक्ष्य हो गया है। वह हिस्सा उनसे अभी भी अभेद है। कर्नाटक में पार्टी सरकार बना चुकी है। आंध्र प्रदेश में टीडीपी के गठबंधन में है लेकिन तेलंगाना, तमिलनाडु में सफलता नहीं मिली है। हालांकि, केरल में पहली बार भाजपा का एक इकलौता सांसद बना और तिरुवनंतपुरम में मेयर बनाने में सफल हो चुकी है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

रामस्वरूप रावतसरे

एनएसए अजीत डोभाल ने ऐसा क्या कहा कि कुछ लोग तिलमिलाने लगे!

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने 10 जनवरी 2026 को कहा कि भारत की स्वतंत्रता आसानी से नहीं मिली बल्कि इसके पीछे पीढ़ियों तक चला दर्द, अपमान और विनाश छिपा हुआ है। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के उद्घाटन समारोह में अजीत डोभाल ने युवाओं से अपील की कि वे इतिहास के कड़वे सबक को समझें और उससे ताकत लेकर देश के पुनर्निर्माण में जुटें। उन्होंने कहा कि आजाद भारत में अक्सर लोग यह भूल जाते हैं कि पिछली पीढ़ियों ने इस स्वतंत्रता के लिए कितने बड़े बलिदान दिए। आज यह देश जितना आजाद दिखता है, वह हमेशा ऐसा नहीं था। हमारे पूर्वजों ने इसकी भारी कीमत चुकाई है। डोभाल ने सदियों तक चले विदेशी शासन के दौर का जिक्र करते हुए बताया कि उस समय लोगों को फाँसी, गाँवों के विनाश और सांस्कृतिक विरासत के नष्ट होने जैसी भयानक यातनाएँ झेलनी पड़ीं। अजीत डोभाल के अनुसार भारत के अतीत को सिर्फ दुख के साथ याद नहीं किया जाना चाहिए बल्कि उससे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि इतिहास में कई लोगों को फाँसी दी गई, गाँव जला दिए गए, हमारी सभ्यता को नुकसान पहुँचाया गया। मंदिर लूटे गए और लोग बेबस होकर यह सब होते देखते रहे। उनके अनुसार, यह दर्दनाक इतिहास हर युवा के भीतर एक आग जगा देना चाहिए। उनके अनुसार, बदला शब्द सुनने में कठोर लग सकता है लेकिन इस संदर्भ में इसका अर्थ बहुत गहरा है। डोभाल ने कहा, "बदला एक आदर्श शब्द नहीं है लेकिन यह एक मजबूत ताकत है। हमें अपने इतिहास का बदला लेना होगा। इसका मतलब हिंसा नहीं है बल्कि अपने मूल्यों, अधिकारों और विश्वासों पर आधारित एक मजबूत और आत्मविश्वासी भारत का निर्माण करना ही असली बदला है।'' डोभाल ने कहा कि भारत ने कभी दूसरे देशों पर हमला नहीं किया, न ही उनके मंदिर तोड़े या उनकी संपत्ति लूटी जबकि उस दौर में दुनिया के कई हिस्से अभी विकास की शुरुआती अवस्था में थे। हालाँकि, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इतिहास में भारत की सबसे बड़ी गलती अपनी सुरक्षा से जुड़े खतरों को नजरअंदाज करना रही। उन्होंने कहा, "हम अपने लिए पैदा हो रहे खतरों को पहचान नहीं पाए और इतिहास ने हमें इसकी सजा दी।" डोभाल ने जोर देकर कहा कि इन सबक को भूल जाना आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा नुकसान होगा। डोभाल के अनुसार भारत ने इतिहास में कई बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की हैं। हम कभी विज्ञान, अर्थव्यवस्था और तकनीक के शिखर पर थे, लेकिन समय के साथ गिरावट भी आई, क्योंकि कुछ भी स्थायी नहीं होता। उन्होंने कहा कि एक मजबूत राष्ट्र बने रहने के लिए लगातार प्रयास करना पड़ता है। राष्ट्र और राष्ट्रभाव एक निरंतर संघर्ष है, जो कभी खत्म नहीं होता। नतीजतन एनएसए को सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक, नफरत फैलाने वाला, देश को बाँटने वाला व इनसिक्योर बताकर सेकुलर भारत के लिए खतरा बताया जा रहा है। उन्हें घेरने वालों में इस्लामी पत्रकारिता के लिए कुख्यात आरफा खानम, अलगाववादियों का समर्थन करने वाली जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती जैसों के नाम हैं। महबूबा मुफ़्ती ने ट्वीट किया, "यह बहुत दुखद है कि डोभाल जैसे उच्च पद के अधिकारी, जिनका काम देश को अंदरूनी और बाहरी खतरों से बचाना है, उन्होंने नफरत फैलाने वाली सांप्रदायिक विचारधारा को अपनाया और मुसलमानों के खिलाफ हिंसा को सामान्य बनाने की कोशिश की। गरीब और अशिक्षित युवाओं को एक पहले से ही परेशान और लक्ष्य बन रही अल्पसंख्यक समुदाय पर हमला करने के लिए उकसाता है।" वहीं आरफा खानम, कंचना यादव और स्वाति चतुर्वेदी का भी यही पैटर्न है। वह अच्छे से जान-समझ रही हैं कि डोभाल ने क्या बोला है, लेकिन उनकी बात चूँकि वामपंथी एजेंडे पर सही नहीं बैठ रही, इसलिए उन्होंने उस बयान के खुद ही मायने गढ़ लिए। डोभाल के बयान से साफ है कि वो कहीं भी 'बदले' शब्द को हिंसा से जोड़कर नहीं बोल रहे थे बल्कि एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण की बात कर रहे हैं। उन्होंने इतिहास से सीख लेकर राष्ट्र को पुनर्निर्मित करने की बात कही, न कि किसी समुदाय के खिलाफ हिंसा भड़काने की। उनका मकसद अपने श्रोता युवाओं में देशभक्ति जगाने का था, द्वेष फैलाने का नहीं। हालाँकि, उनके बयान को वामपंथी और कट्टरपंथी अपने एजेंडे के अनुसार तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं। उन्हें शायद डर है कि कहीं सच में लोग उस इतिहास को लेकर सजग न हो जाएँ जहाँ देश को तोड़ने वालों और संपत्तियों को लूटने वालों का जिक्र है। इनकी दिक्कतें इसलिए हैं क्योंकि जिन्होंने भारत को समय-समय पर नष्ट करने का प्रयास किया वो ही इनके पसंदीदा 'नायक' हैं। ऐसे 'बुद्धिजीवी' वर्ग लोगों को समझने की जरूरत है कि इतिहास को इनके हिसाब से पेश करने का एक दौर बीत चुका है। अब वो समय नहीं है कि इस्लामी आक्रांताओं के कुकृत्यों को महिमामंडन करने का काम हो। इतिहास का अर्थ वही होता है जो बीते समय का सच हो। अगर उसे बताने से एक समुदाय पर सवाल उठ रहे हैं, तो समस्या उस रिलिजन में है न कि इतिहास में। आज अगर देश को लूटे जाने के इतिहास को गहराई से पढ़ने पर 'लुटेरे' इस्लामी आक्रांता ही निकलकर आ रहे हैं तो इसमें इतिहास बताने वाले की क्या गलती है? गलती उसकी है जिसने ये किया, गलती उसकी है जिसने हमेशा ये समझा कि दुनिया वही इतिहास पढ़ेगी जो वो पढ़ाना चाहेंगे। गलती उस वर्ग की है जिसे लगा कि उन्होंने कह दिया तो अकबर हमेशा 'महान' बना रहेगा और औरंगजेब को लोग हमेशा 'मंदिर का निर्माण' कराने वाले के तौर पर जानेंगे। जानकारों के अनुसार डोभाल के बयान को विकृत ढंग से पेश करने के चक्कर में ये लोग खुद ही इसको स्वीकार कर बैठे कि देश के मंदिर को लूटने वाली घटनाएँ बिलकुल सच हैं। महबूबा मुफ्ती के ट्वीट से स्पष्ट है कि वह मान रही हैं।

श्रेयस अय्यर को मौका नहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का पहला टी-20 आज

ईशान किशन नंबर-3 पर खेलेंगे : सूर्या

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टी20 मैच से पहले कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साफ किया है कि ईशान किशन नंबर तीन पर बल्लेबाजी करेंगे। नागपुर में हुई प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यकुमार ने कहा कि ईशान टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की योजना का हिस्सा हैं और घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा- टीम मैनेजमेंट को लगता है कि नंबर तीन के लिए ईशान सबसे मजबूत विकल्प हैं और उन्हें मौके मिलने चाहिए। वहीं 25 महीने बाद वापसी कर रहे श्रेयस अय्यर को अभी मौका नहीं मिलेगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला बुधवार को नागपुर में खेला जाएगा। सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (पहले तीन टी20), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उपकप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई। मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चापमन, डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), जैकब डफी, जैकरी फॉल्क्स, मैट हेनरी, काइल जैमिसन, बेवोन जैकब्स, डेरिल मिचेल, जिमी नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम रोबिनसन, ईश सोढी।

सैयद मुश्ताक अली के टॉप स्कोरर रहे

घरेलू क्रिकेट में ईशान का प्रदर्शन हाल में काफी मजबूत रहा है। वे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 के टॉप रन-स्कोरर रहे। झारखंड की ओर से खेलते हुए उन्होंने 10 मैचों में 517 रन बनाए। औसत 57.44 और स्ट्राइक रेट 197.32 रहा। इस दौरान उन्होंने दो शतक और दो अर्धशतक लगाए और टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

ईशान 4 मैच नंबर-3 पर खेल चुके

टी-20 इंटरनेशनल में ईशान किशन अब तक चार मैच नंबर तीन पर खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 114 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 28.50 रहा है। ईशान ने मार्च 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने 32 टी-20 खेले और 796 रन बनाए। औसत 25.67 रहा और छह अर्धशतक लगाए। उनका आखिरी टी20 मैच नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ था।

कोहली के साथ खेलना खास- डफी

न्यूजीलैंड के पेसर जैकब डफी ने विराट कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने को लेकर कहा कि भारतीय फैंस का कोहली के लिए जुनून उन्होंने मैदान पर देखा है, अब उसे ड्रेसिंग रूम के अंदर से देखना खास अनुभव होगा। उन्होंने कहा कि ड्रेसिंग रूम से कोहली को चीयर करना उनके लिए यादगार पल होगा। डफी ने अपने छोटे से कस्बे लम्सडेन से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक के सफर को भी याद किया। उन्होंने कहा कि वहां हालात मुश्किल थे, लेकिन उसी माहौल ने उन्हें मजबूत बनाया।

डफी ने अपने छोटे से कस्बे लम्सडेन से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक के सफर को भी याद किया। उन्होंने कहा कि वहां हालात मुश्किल थे, लेकिन उसी माहौल ने उन्हें मजबूत बनाया। भारत के खिलाफ सीरीज को लेकर उन्होंने कहा कि टीम बिना किसी अतिरिक्त दबाव के अच्छी तैयारी के साथ मैदान में उतरेगी।

डब्ल्यूपीएल में दिल्ली की दूसरी जीत

मुंबई को 7 विकेट से हराया, कप्तान जेमिमा की फिफ्टी

नई दिल्ली, एजेंसी

विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) में दिल्ली कैपिटल्स को दूसरी जीत मिल गई। टीम ने वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हरा दिया। पहले बैटिंग करते हुए मुंबई ने 154 रन बनाए, दिल्ली ने 19 ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी मुंबई ने 5वें ओवर तक 2 विकेट गंवा दिए। सजीवन सजना 9 और हैली मैथ्यूज 12 ही रन बनाकर आउट हो गईं। टीम पावरप्ले में 23 रन ही बना सकी, जो इस सीजन का सबसे छोटा स्कोर भी रहा। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फिर नैट सिवर-ब्रंट के साथ पारी संभाल ली। दोनों ने फिफ्टी पार्टनरशिप की और 13 ओवर तक टीम का कोई और विकेट नहीं गिरने दिया। 14वें ओवर में फिर हरमन 41 रन बनाकर आउट हुईं। उनके बाद निकोला कैरी 12 और अमनजोत कौर 3 रन बनाकर आउट हो गईं। आखिर में संस्कृति गुप्ता ने 10 रन बनाकर सिवर-ब्रंट के साथ टीम को 154 तक पहुंचा दिया। सिवर-ब्रंट 65 रन बनाकर नॉटआउट लौटीं, उन्होंने WPL में 11वीं फिफ्टी लगाई। दिल्ली के लिए स्पिनर श्री चरणी ने 3 विकेट लिए। मारिजान कैप और नंदनी शर्मा को 1-1 विकेट मिला। 155 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को शेफाली वर्मा और लिजेल ली ने मजबूत शुरुआत दिलाई।

फास्ट न्यूज

बॉर्डर 2 को लेकर ट्रोलिंग पर वरुण ने किया रिएक्ट

मुंबई। एक्टर वरुण धवन को उनकी फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने ट्रोल किया। मंगलवार को इस पर रिएक्शन देते हुए वरुण ने कहा कि उन्हें इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। उनका भरोसा अच्छी फिल्म बनाने में है। बॉर्डर 2 का गाना 'घर कब आओगे' रिलीज होने के बाद वरुण की एक्टिंग और उनकी स्माइल वाले रिएक्शन को लेकर सोशल मीडिया पर मीम्स बनाए गए।

ट्रम्प के प्लेन एयरफोर्स-1 में तकनीकी खराबी

जेनेवा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का विमान दावोस जाते वक्त टेकऑफ के कुछ देर बाद ही वॉशिंगटन लौट आया। व्हाइट हाउस के मुताबिक विमान में तकनीकी खराबी आई थी। प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लीविट ने बताया कि टेकऑफ के बाद क्रू को विमान में एक मामूली इलेक्ट्रिकल खराबी का पता चला। इसके बाद एहतियातन विमान को लौटाने का फैसला किया गया। हालांकि, ट्रम्प थोड़ी देर बाद दूसरे प्लेन से रवाना हो गए। वे आज स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) में शामिल होंगे। ट्रम्प की आधिकारिक यात्राओं के लिए फिलहाल बोइंग 747-200B का एयर फोर्स वन के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इस बेड़े में ऐसे दो विमान हैं, जो करीब चार दशक पुराने हैं। अमेरिकी विमान निर्माता बोइंग इनके नए विकल्प तैयार कर रहा है, लेकिन इस प्रोजेक्ट में देरी हो रही है।

फोनपे के ₹12,000 करोड़ के आईपीओ को सेबी की मंजूरी

मुंबई। डिजिटल पेमेंट और UPI मार्केट की सबसे बड़ी कंपनी फोनपे जल्द ही अपना IPO लाएगी। इसके लिए कंपनी को शेयर बाजार रेगुलेटर SEBI से अप्रूवल मिल गया है। इस मंजूरी के बाद अब कंपनी जल्द ही अपना अपडेटेड ड्राफ्ट पेपर (DRHP) फाइल करेगी। यह आईपीओ करीब 12,000 करोड़ (1.35 बिलियन डॉलर) का हो सकता है।

धुरंधर 2 में विक्की कौशल की एंट्री !

एक्सटेंडेड कैमियो में मेजर विहान शेरगिल के रोल में दिखेंगे एक्टर

मुंबई, एजेंसी

एक्टर विक्की कौशल फिल्म धुरंधर 2 का हिस्सा बनने जा रहे हैं। वह फिल्म में एक एक्सटेंडेड कैमियो करेंगे। फिल्म में वह डायरेक्टर आदित्य धर की ही फिल्म उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक के अपने रोल मेजर विहान शेरगिल को फिर से निभाते नजर आएंगे। यह दावा मिड-डे की रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि धर इस फिल्म में कौन-कौन से बड़े सितारे जोड़ रहे हैं, इस पर चुप्पी बनाए हुए हैं। वह 'धुरंधर यूनिवर्स' बनाना चाहते हैं। इसी वजह से उन्होंने अलग समय की कहानी होने के बावजूद उरी की कहानी को फिल्म में जोड़ा है। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि विक्की और रणवीर सिंह के किरदार आमने-सामने आएंगे या नहीं। विक्की के कैमियो में कुछ एक्शन सीन भी होंगे। विक्की ने अपने हिस्से की शूटिंग पिछले साल ही कर ली थी। सूत्र ने यह भी कहा कि विक्की, आदित्य धर के पसंदीदा एक्टर्स में से एक हैं और भविष्य में फिल्म के स्पिन-ऑफ की भी प्लानिंग है। उरी के बाद दोनों फिल्म द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा में साथ काम करने वाले थे, लेकिन ज्यादा बजट के कारण वह फिल्म बंद हो गई थी। धुरंधर 2: द रिवेंज ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर का सीक्वल है।

पोस्ट में मुश्किल दौर को याद करते हुए लिखा- अंदर से टूट गई थी

अंकिता लोखंडे ने भी 2016 वाले ट्रेंड को फॉलो किया

मुंबई, एजेंसी

सोशल मीडिया पर इन दिनों '2016 नॉस्टेल्जिया' का ट्रेंड चर्चा में है, जिसमें लोग साल 2016 से जुड़ी अपनी पुरानी यादें साझा कर रहे हैं। इस ट्रेंड में टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे भी शामिल हुईं और उन्होंने उस साल की कुछ खास झलकियां फैंस के साथ शेयर कीं। अंकिता लोखंडे ने अपनी पोस्ट में बताया कि साल 2016 उनकी जिंदगी के सबसे कठिन दौरों में से एक था। उन्होंने लिखा कि इस साल ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया, अंदर से तोड़ा और एक नए रूप में बदल दिया। अंकिता ने बताया कि 2016 में उन्होंने अपने पालतू कुत्तों को खो दिया था। इस नुकसान का दर्द आज भी उन्हें महसूस होता है। उन्होंने लिखा कि यह उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद मुश्किल समय था। पोस्ट में अंकिता ने अपने दादा आजोबा को भी याद किया। उन्होंने उन दिनों की तस्वीरों का जिक्र किया, जब वह फोटोशूट और छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढ लिया करती थीं। उन्होंने लिखा कि साड़ी पहनने का उनका प्यार तब भी था और आज भी वैसा ही है। अंकिता ने पोस्ट के आखिर में लिखा कि 2016 की ये यादें उन्हें खुद को समझने और आगे बढ़ने की हिम्मत देती हैं।

सुशांत सिंह राजपूत से जुड़ रहा है पोस्ट

गौरतलब है कि अंकिता लोखंडे को टीवी शो 'पवित्र रिश्ता' से पहचान मिली थी। इसी शो के दौरान 2009 में उनकी मुलाकात सुशांत सिंह राजपूत से हुई थी और दोनों करीब सात साल तक रिलेशनशिप में रहे। साल 2016 में दोनों का ब्रेकअप हुआ था। इसी वजह से अंकिता की इस पोस्ट को कुछ लोग सुशांत से जोड़कर देख रहे हैं, हालांकि एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में कहीं भी सीधे तौर पर उनका जिक्र नहीं किया है।

> एक्ट्रेस ने बताया कि 2016 में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपना पहला पोस्ट किया था। उसी दौर में उन्हें यह एहसास हुआ कि वह हमेशा से फैमिली गर्ल रही हैं और परिवार उनके लिए सबसे बड़ी ताकत रहा है। अंकिता ने अपने पालतू कुत्ते स्कॉच को खास तौर पर याद किया। उन्होंने लिखा कि मुश्किल समय में स्कॉच ही उनका सबसे बड़ा सहारा था, जिसने हर परिस्थिति में उनका साथ दिया।

पुराना सिस्टम अब वापस नहीं आएगा, टैरिफ को हथियार बनाने का आरोप लगाया

अमेरिकी दबदबे वाली व्यवस्था का अंत हुआ : मार्क कार्नी

दावोस, एजेंसी

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि अमेरिका के दबदबे वाली वैश्विक व्यवस्था अब खत्म हो चुकी है। उन्होंने मंगलवार को स्विट्जरलैंड के दावोस में हो रहे वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) में यह बात कही। उन्होंने कहा, "दुनिया किसी बदलाव की तरफ नहीं, बल्कि टूटने की तरफ आगे बढ़ रही है। अब पुराना सिस्टम लौटने वाला नहीं है।" कार्नी ने कहा कि नियमों और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के हिसाब से चलने वाली दुनिया की जो बात की जाती है, वह असल में कभी भी पूरी तरह सच नहीं रही। दुनिया हमेशा से ताकत और अपने-अपने हितों के हिसाब से चली है। कार्नी ने माना कि पुराने वैश्विक सिस्टम से कनाडा को फायदा हुआ।

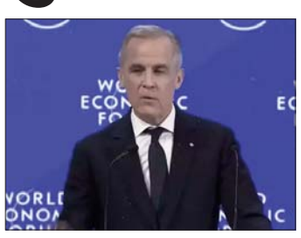

कार्नी बोले- टैरिफ को हथियार बनाया जा रहा

कार्नी ने कहा कि नई हकीकत यह है कि ताकतवर देश अपने हित साधने के लिए आर्थिक रिश्तों का इस्तेमाल दबाव बनाने में कर रहे हैं। उनके मुताबिक, टैरिफ को हथियार बनाकर दबाव बनाया जा रहा है, वित्तीय सिस्टम के जरिए देशों को मजबूर किया जा रहा है।

फ्रांस ने भी ताकतवर देशों की आलोचना की थी

इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी मंगलवार को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दुनिया ऐसे दौर की ओर बढ़ रही है।

> कार्नी ने कहा कि कनाडा को उस नीति पर चलना होगा, जो सिद्धांतों पर भी टिकी हो और जमीन पर काम भी करे। इसके तहत घरेलू क्षमताएं मजबूत करने और किसी एक देश पर निर्भरता घटाने के लिए व्यापारिक साझेदारों में विविधता लाने पर जोर दिया।

वैश्विक संस्थाएं कमजोर पड़ी, देश खुद तैयार रहे

कार्नी ने कहा कि विश्व व्यापार संगठन और संयुक्त राष्ट्र जैसी बहुपक्षीय संस्थाएं कमजोर पड़ी हैं। ऐसे में देशों को अब खुद अपनी सुरक्षा, ऊर्जा और खाद्य जरूरतों के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा, "जो देश खुद को खिला नहीं सकता, ऊर्जा नहीं दे सकता और अपनी रक्षा नहीं कर सकता, उसके पास बहुत कम विकल्प होते हैं।" मैक्रों ने कहा कि आज दुनिया अस्थिर होती जा रही है। सुरक्षा के मामले में भी और अर्थव्यवस्था के मामले में भी। उन्होंने कहा कि 2024 में दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध चल रहे हैं और कई देशों में लोकतंत्र कमजोर होकर तानाशाही की तरफ बढ़ रहा है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने फर्जी पिज्जा हट का उद्घाटन किया

कंपनी बोली- हमारा कोई लेना देना नहीं, सोशल मीडिया पर मजाक बना

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ एक अजीब विवाद में फंस गए हैं। उन्होंने सियालकोट कैंटोनमेंट में पिज्जा हट ब्रांड वाले एक आउटलेट का उद्घाटन किया। लेकिन कुछ ही घंटों बाद पिज्जा हट कंपनी ने इस आउटलेट को फर्जी बता दिया। सोशल मीडिया पर उद्घाटन की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद पिज्जा हट पाकिस्तान ने बयान जारी कर साफ किया कि इस आउटलेट से उसका कोई लेना-देना नहीं है। वायरल तस्वीरों और वीडियो में ख्वाजा आसिफ सियालकोट कैंटोनमेंट में बने आउटलेट का फीता काटते नजर आ रहे हैं। उन्होंने हाथ में कैंची लेकर कैमरे के सामने पोज भी दिया। यह मामला सामने आते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लोगों ने इसे लेकर मजाक उड़ाना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, "रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सियालकोट में एक फर्जी पिज्जा हट फ्रेंचाइजी का उद्घाटन किया। ये बेवकूफ बूढ़े लोग हम पर थोपे गए हैं।" एक अन्य यूजर ने मजाक करते हुए लिखा, "जब पिज्जा हट खुद कह दे, यह हमारी स्लाइस नहीं है।" पिज्जा हट पाकिस्तान ने बयान जारी कर कहा कि सियालकोट कैंटोनमेंट में खुला यह रेस्टोरेंटपिज्जा हट के नाम और ब्रांड का गलत इस्तेमाल कर रहा है। कंपनी के मुताबिक, पाकिस्तान में इस समय उसके कुल 16 आधिकारिक आउटलेट हैं।

> कंपनी ने कहा, यह आउटलेट उससे जुड़ा नहीं है यह पिज्जा हट इंटरनेशनल की रेसिपी, क्वालिटी प्रोटोकॉल, फूड सेफ्टी और ऑपरेशनल स्टैंडर्ड का पालन नहीं करता। कंपनी ने यह भी बताया कि उसने अपने ट्रेडमार्क के दुरुपयोग को रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है और इस पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

सोना पहली बार ₹1.5 लाख पार, ₹7795 बढ़ा

21 दिन में 22 हजार महंगा हुआ, चांदी 10 हजार बढ़कर ₹3.20 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने की कीमत आज यानी 21 जनवरी को 1.50 लाख रुपए पार कर गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार सोना आज 7,795 रुपए बढ़कर 1,55,204 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला है। कल ये 1,47,409 रुपए पर था। सोना इस साल अब तक 21,744 रुपए महंगा हो चुका है। वहीं 1 किलो चांदी की कीमत आज 10,730 रुपए बढ़कर 3,20,075 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले कल ये 3,09,345 रुपए पर थी। चांदी इस साल सिर्फ 21 दिनों में ही 90,825 रुपए महंगी हो चुकी है। सोने-चांदी के दाम लगातार तीसरे दिन अपने ऑलटाइम हाई पर हैं। 1.80 लाख से 1.90 लाख तकः रिसर्च हेड डॉ रेनिशा चैनानी के अनुसार, अगर अमेरिकी टैरिफ और मध्य पूर्व में तनाव और बढ़ता है, तो सोना 2026 के मध्य तक 1,90,000 के स्तर को छू सकता है। 2026 में चांदी 3.20 लाख प्रति किलो तक पहुंच सकती है। सोलर और EV डिमांड को देखते हुए हर गिरावट पर खरीदारी की सलाह है। टेक्निकल ब्रेकआउट और मजबूत वैश्विक संकेतों के आधार पर चांदी की कीमतें 3.94 लाख प्रति किलो के स्तर को भी छू सकती हैं। ग्रीन एनर्जी की बढ़ती मांग और अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती से चांदी $100 प्रति औंस (करीब 3.5-4 लाख) तक जा सकती है। चांदी में लंबी अवधि की तेजी का दौर अभी जारी रहेगा, इसलिए निवेशकों को कीमतों में आने वाली हर छोटी गिरावट का फायदा उठाना चाहिए। डॉलर की कमजोरी और महंगाई को देखते हुए चांदी साल 2026 में $200 प्रति औंस के चौंकाने वाले स्तर तक भी जा सकती है।

गोल्ड में निवेश के 2 पॉपुलर तरीके

- फिजिकल गोल्ड-सिल्वर यानी, सिक्के खरीदना।
- गोल्ड-सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ETF) के जरिए निवेश।

निवेश कैसे कर सकते हैं: रेप्युटेड ज्वेलर्स से गोल्ड-सिल्वर के सिक्के या ज्वेलरी खरीद सकते हैं। लेकिन फिजिकल गोल्ड में स्टोरेज और असली-नकली की पहचान समस्या है। वहीं गोल्ड-सिल्वर ETF में निवेश के लिए डीमैट अकाउंट होना चाहिए। इसमें स्टोरेज और असली-नकली पहचान की समस्या नहीं है।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

- पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया।
- चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

सोने में तेजी के 3 बड़े कारण

- **ग्लोबल टेंशन और 'ग्रीनलैंड' विवाद:** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की जिद और इस मुद्दे पर यूरोपीय देशों को टैरिफ की धमकी ने वैश्विक बाजारों बाजारों अस्थिरता बढ़ गई है। जब भी दुनिया में ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ता है, निवेशक शेयर बाजार से पैसा निकालकर सुरक्षित निवेश यानी सोने की ओर भागते हैं।
- **रुपए की रिकॉर्ड कमजोरी :** भारत में सोने की कीमत केवल वैश्विक दरों पर नहीं, बल्कि डॉलर-रुपया एक्सचेंज रेट पर भी निर्भर करती है। आज रुपया डॉलर के मुकाबले 91.10 के ऑल-टाइम लो पर है। LKP सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी के अनुसार, रुपए की कमजोरी की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खरीदे जाने वाले सोने की लैंडिंग कॉस्ट भारत में बहुत महंगी हो गई है, जिससे घरेलू बाजार में कीमतें 1.5 लाख के पार निकल गईं।
- **सेंट्रल बैंकों की भारी खरीदारी:** दुनिया भर के केंद्रीय बैंक (जैसे भारत का RBI) अपने विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने के लिए सोने का स्टॉक बढ़ा रहे हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में रिकॉर्ड खरीदारी के बाद 2026 की शुरुआत में भी सेंट्रल बैंकों की मांग मजबूत बनी हुई है, जिससे सप्लाई कम और डिमांड ज्यादा होने के कारण कीमतें बढ़ रही हैं।

टोल नहीं चुकाया तो गाड़ी नहीं बेच पाएंगे

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को नेशनल हाईवेज पर टोल नियम सख्त कर दिए हैं। अब टोल न चुकाने वाले वाहनों को NOC, फिटनेस सर्टिफिकेट और नेशनल परमिट जैसी सेवाएं नहीं मिलेंगी। यह बदलाव सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स 2026 के तहत किए गए हैं। इसका मकसद इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन मजबूत करना और टोल चोरी रोकना है। कई बार नेशनल हाईवे के टोल प्लाजा पर गाड़ी का फास्टैग स्कैन होने पर टेक्नीकल खामी की वजह से टोल नहीं कट पाता। फास्टैग में बैलेंस कम होने पर भी गाड़ियां टोल क्रॉस कर जाती हैं। अब ऐसे वाहनों की बकाया राशि गाड़ी के रिकॉर्ड से जुड़ जाएगी। नए नियमों के लागू होने के बाद, अगर किसी गाड़ी पर टोल का बकाया मिलता है, तो उसकी ये सर्विसेज रोकी जाएंगी। सरकार ने नियमों में 'अनपेड टोल यूजर' शब्द को भी परिभाषित किया है। इसके तहत, यदि किसी वाहन की आवाजाही इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (ETC) सिस्टम यानी फास्टैग जैसे माध्यमों से रिकॉर्ड की गई है, लेकिन उसका भुगतान नेशनल हाईवे एक्ट, 1956 के अनुसार नहीं मिला है।

1000 अंक गिरकर संभला बाजार, अब 200 अंक की गिरावट

82,000 पर आया सेंसेक्स, निफ्टी 50 अंक गिरा

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 21 जनवरी को 1,000 अंक की गिरावट के बाद अब रिकवरी है। दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1,000 अंक गिरकर 81,124 के निचले स्तर पर आ गया था। अब ये केवल 200 अंक गिरकर 82,000 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 50 अंक की गिरावट है। ये 25,200 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सुबह ये 300 से ज्यादा अंक गिरकर 24,900 के स्तर पर पहुंच गया था। इस गिरावट की वजह ग्लोबल टेंशन को माना जा रहा था। हालांकि अब बाजार रिकवर हो गया है। शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज IPO में निवेश करने का आज दूसरा दिन है। यह 22 जनवरी तक बोली लगाने के लिए खुला रहेगा। इस IPO में प्राइस बैंड 118 से 124 प्रति शेयर है, और रिटेल इन्वेस्टर मिनिमम 120 शेयर्स के एक लॉट पर बिड लगा सकते हैं, जिससे न्यूनतम निवेश 14,880 होगा।

कुल इश्यू साइज 1,907 करोड़ है, जिसमें 1,000 करोड़ का फ्रेश इश्यू और 907 करोड़ का ऑफर फॉर सेल शामिल है। मंगलवार 20 जनवरी को सेंसेक्स 1065 अंक (1.28%) गिरकर 82,180 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 353 अंक (1.38%) की गिरावट रही। ये 25,233 के स्तर पर आ गया। मार्केट एक्सपर्ट्स बाजार में गिरावट की बड़ी वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जे की जिद को मान रहे हैं। इसके अलावा तीसरी तिमाही में रिलायंस जैसी बड़ी कंपनियों के मुनाफे में कमी भी इसका कारण माना जा रहा है।

‘प्रॉपर्टी के लिए जहर देकर पति को मार डाला’

लखनऊ में पत्नी बोली- बॉडी नीली पड़ गई, 15 महीने पहले हुई थी शादी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी के ठाकुरगंज इलाके में मंगलवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में एक इलेक्ट्रिशियन की मौत हो गई। मृतक की पहचान मुसाहिब पार्क निवासी शानू खान के रूप में हुई है। हैरानी की बात यह रही कि मौत की जानकारी करीब दो घंटे बाद उसकी पत्नी को मिली। पत्नी ने पति की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक शानू खान की करीब 15 महीने पहले बलरामपुर जिले की रहने वाली शानिया से निकाह हुआ था। शानिया के अनुसार, पिछले सप्ताह मंगलवार को शानू उन्हें मायके छोड़कर आए थे और 15 जनवरी को वापस लौट गए थे। शानू खान और शानिया का निकाह करीब 15 महीने पहले हुआ था। शानिया ने बताया कि पिछले सप्ताह मंगलवार को शानू उन्हें मायके

शानू खान, मृतक

छोड़कर आए थे। इसके बाद 15 जनवरी को वह वापस लखनऊ लौट गए थे। शानिया उस समय मायके में ही थीं, जब यह घटना हुई। शानिया का आरोप है कि जब उन्होंने पति का शव देखा तो उनका पूरा शरीर नीला पड़ा हुआ था। उनका दावा है कि यह सामान्य मौत नहीं है, बल्कि शानू को जहर देकर मारा गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रॉपर्टी के विवाद के चलते उनके पति की हत्या की गई है। शानिया का कहना है कि शानू के परिजनों ने न तो उन्हें समय पर सूचना दी और न ही घटना की सही जानकारी दी।

पत्नी का आरोप: जहर देकर की गई हत्या

शानिया का आरोप है कि शानू की पूरी बॉडी नीली पड़ चुकी थी, जिससे उन्हें शक है कि उनके पति को जहर देकर मारा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि शानू के घरवालों ने मौत की जानकारी तक नहीं दी। उनका कहना है कि प्रॉपर्टी के विवाद में उनके पति की हत्या की गई है। मृतक के परिजन लतीफ ने बताया कि शानू खाना खाते समय अचानक गिर पड़े थे। इसके बाद उन्हें पहले एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने ऐरा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

आखिरी बातचीत में जमीन खरीदने की दी थी जानकारी

पत्नी शानिया ने बताया कि मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे उनकी शानू से फोन पर बातचीत हुई थी। इस दौरान शानू ने दुबग्गा के आगे खरीदे गए एक प्लॉट का वीडियो भेजा था। उन्होंने बताया था कि वह शाम तक जमीन के कागजात भी भेज देंगे। इसके बाद संपर्क नहीं हो पाया।

पुलिस बोली- तहरीर मिलने पर होगी कार्रवाई

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। ठाकुरगंज इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह ने बताया कि परिवार की ओर से अभी तक कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को घर वापस ले आया गया।

शानिया ने बताया कि शाम को बात होने के बाद जब रात में पति को फोन मिलाया तो नहीं उठा। लगातार 20 बार फोन मिलाने के बाद शानू की छोटी बहन ने फोन उठाया और उल्टा सीधा बोलने लगी। उसके बाद फोन काट दिया। इसके बाद फोन बंद कर दिया। पड़ोसियों से जानकारी करने पर पता चला कि पति को परिवार वाले हॉस्पिटल ले गए हैं। बाद में पता चला कि पति की मौत हो गई है।

नॉर्दर्न रेलवे में तीन दिवसीय क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

450 से अधिक कर्मचारियों ने लिया हिस्सा, छह थीमेटिक मॉड्यूल में हुई चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण “मिशन कर्मयोगी” को साकार करने के उद्देश्य से नॉर्दर्न रेलवे के अकाउंट्स विभाग द्वारा 15, 16 और 19 जनवरी, 2026 को तीन दिवसीय क्षमता विकास कार्यक्रम “प्रशिक्षण से दक्षता की ओर” आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम कर्मचारियों के बीच विचारों के आदान-प्रदान, बेहतरीन प्रथाओं की साझा और इंटरैक्टिव प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से आयोजित किए गए पहले तरह के इन्टेंसिव कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के रूप में जाना गया। इस कार्यक्रम का समापन समारोह 20 जनवरी, 2026 को राष्ट्रीय रेल संग्रहालय में आयोजित किया गया। समारोह में रेलवे बोर्ड के अकाउंट्स विभाग और नॉर्दर्न रेलवे के शीर्ष प्रबंधन की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा

बढ़ाई। प्रशिक्षण कार्यक्रम का ढांचा माननीय रेलवे मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव की पहल “52 सप्ताह में 52 सुधार” की दृष्टि से प्रेरित था। इस पहल का उद्देश्य प्रणालीगत सुधार, कार्यकुशलता, शासन और सेवा वितरण में सुधार करना, एआई और उन्नत तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना तथा कर्मचारियों के प्रतिभा प्रबंधन और कौशल विकास में नवाचार लाना है। कार्यक्रम में छह थीमेटिक मॉड्यूल शामिल थे, जिन्हें प्रत्येक विभागाध्यक्ष ने अध्यक्षता दी।

प्रशिक्षण के मुख्य परिणाम और सुधारात्मक सुझाव

श्री संजय उप्रेती, प्रिंसिपल फाइनेंशियल एडवाइजर/नॉर्दर्न रेलवे ने प्रशिक्षण सत्रों से निकले सुधार और माइक्रो-इनोवेशन के मुख्य सुझावों का विस्तृत सारांश प्रस्तुत किया। उन्होंने तनाव प्रबंधन और हर्टफुलनेस मेडिटेशन के माध्यम से उच्चतम प्रदर्शन बढ़ाने के एक मॉड्यूल को भी प्रदर्शित किया। रेलवे बोर्ड की मेंबर फाइनेंस, सुश्री अपर्णा गर्ग ने कहा कि यह नॉर्दर्न रेलवे की प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, विशेषकर आईटी आधारित अनुप्रयोगों, कर्मचारियों से इनपुट और फीडबैक संस्थागत करने पर जोर के कारण। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण तभी प्रभावी होता है जब यह कार्यस्थल पर क्षमता, आत्मविश्वास और दक्षता में रूपांतरित हो।

फास्ट न्यूज

पार्टी में कमेंट पर भड़के पवन सिंह

लखनऊ। भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह लखनऊ में एक बर्थडे पार्टी के दौरान अचानक गुस्से में आ गए। मंच से गाना गा रहे पवन सिंह भीड़ से आए एक कमेंट पर भड़क उठे। युवक की ओर बढ़ने लगे। मौके पर मौजूद लोगों और सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोका। पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। यह घटना 20 जनवरी की है, जब पवन सिंह लखनऊ में भोजपुरी सिंगर गुंजन सिंह की बर्थडे पार्टी में शामिल हुए थे।

खाताधारकों ने भारतीय स्टेट बैंक का गेट बंद किया

दुबग्गा। लखनऊ के काकोरी में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शाखा में बुधवार सुबह उस समय हंगामा मच गया, जब नाराज खाताधारकों ने बैंक का शटर बाहर से बंद कर दिया। इस घटना के दौरान बैंक मैनेजर सहित कई कर्मचारी शाखा के अंदर मौजूद थे। खाताधारकों का आरोप है कि उनके खातों से हजारों से लेकर लाखों रुपए तक गायब हो गए हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में बैंक प्रबंधन को कई बार शिकायतें दी गईं, लेकिन लगभग एक महीने बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई और न ही उनकी रकम वापस की गई। इसी से नाराज होकर बुधवार सुबह बड़ी संख्या में खाताधारक बैंक के बाहर जमा हुए और शटर बंद कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारी खाताधारकों ने बैंक प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की और दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की।

4 साल की बच्ची को कार से रौंदा

हापुड़। हापुड़ में एक कार सवार ने 4 साल की बच्ची को कुचल डाला। इससे बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे बाद कार सवार मौके से फरार हो गया। घटना का CCTV सामने आया है। जिसमें बच्ची दिख रही है। वह अपनी मां के पीछे-पीछे चल रही थी। तभी पीछे से आई कार ने बच्ची को टक्कर मारी और रौंदते हुए आगे निकल गई। कार के अगले और पिछले दोनों टायर बच्ची पर चढ़ गए थे।

हजरतगंज से विधानसभा तक गाड़ियों की कतार, कामता चौराहे पर रेंग रहे वाहन

डायवर्जन के बाद भीषण जाम

हजरतगंज चौराहा से विधानसभा तक जाम लगा। उसमें एम्बुलेंस भी फंसी रही।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में लगातार तीसरे दिन भीषण ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रही। शहर में आयोजित तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन (AIPOC) का आज अंतिम दिन है। सम्मेलन को देखते हुए हजरतगंज इलाके में किए गए ट्रैफिक डायवर्जन के चलते शहर के कई इलाकों में जाम के हालात पैदा हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि लखनऊ में जाम लगना अब आम बात हो गई है, खासकर हजरतगंज इलाके में। यहां अक्सर वीआईपी मूवमेंट के चलते ट्रैफिक रोका जाता है, जिससे आम आदमी को परेशानी होती है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे आयोजनों के दौरान बेहतर वैकल्पिक ट्रैफिक व्यवस्था की जाए।

अर्जुनगंज, कैंट और कामता चौराहा भी जाम से बेहाल

हजरतगंज के अलावा अर्जुनगंज क्षेत्र में भी जाम की स्थिति देखने को मिली। ट्रैफिक डायवर्जन के कारण कैंट सदर इलाके में वाहन फंस गए। कामता चौराहा और पॉलिटेक्निक के आसपास भी भारी जाम लगा रहा, जहां काफी देर तक गाड़ियां रेंगती नजर आईं। वैकल्पिक मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ने से एनेक्सी, प्रभात सिनेमा के आसपास, कैंट मॉल एवेन्यू, कैसरबाग और गोलागंज क्षेत्रों में भी जाम की स्थिति बन गई। इससे आम लोगों के साथ-साथ दफ्तर जाने वालों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

हजरतगंज चौराहे से सिविल अस्पताल और मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने वाले मार्ग पर भी जाम लग गया। जाम की वजह से कई स्कूली छात्र गाड़ियों से उतरकर पैदल स्कूल जाते नजर आए। बच्चों और अभिभावकों को खासा दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

कामता चौराहे पर गाड़ियों की कतार लगी रही।

स्थानीय लोगों में नाराजगी, प्रशासन से वैकल्पिक व्यवस्था की मांग

स्थानीय लोगों का कहना है कि लखनऊ में जाम लगना अब आम बात हो गई है, खासकर हजरतगंज इलाके में। यहां अक्सर वीआईपी मूवमेंट के चलते ट्रैफिक रोका जाता है, जिससे आम आदमी को परेशानी होती है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे आयोजनों के दौरान बेहतर वैकल्पिक ट्रैफिक व्यवस्था की जाए, ताकि शहरवासियों को जाम से राहत मिल सके। शहर के मुख्य चौराहे हजरतगंज में रास्ते बंद होने से वैकल्पिक मार्गों पर वाहनों का दबाव अचानक बढ़ गया।

बेकाबू कार पेड़ से टकराई, 2 बी-फार्मा छात्रों की मौत

कानपुर। कानपुर में पार्टी से लौट रहे दोस्तों की कार बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गई। कार में सवार बी-फार्मा के दो छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। यह हादसा मंगलवार आधी रात के बाद कल्याणपुर थाना क्षेत्र के पनकी रोड पर हुआ। सामने आए CCTV फुटेज में स्विफ्ट डिजायर कार तेज रफ्तार में आती दिख रही है। कार में चार दोस्त सवार थे, जो पनकी से कल्याणपुर की ओर जा रहे थे। कार सवार सभी 4 युवक कन्नौज के रहने वाले थे। उनकी पहचान इंदरगढ़ के आर्यन यादव, पनियारी के सत्यम पाल, सौरिक के आकाश यादव और प्रथम पांडेय के रूप में हुई है। हादसे में प्रथम पांडेय (24) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि आकाश यादव (25) ने रास्ते में दम तोड़ दिया। दो अन्य घायल स्टूडेंट्स आर्यन और सत्यम का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा। कार कानपुर में पनकी के महावीर पुरम निवासी कृष्ण मोहन के नाम रजिस्टर्ड है। पुलिस पूछताछ में आर्यन ने बताया कि सभी दोस्त नारायणा में पढ़ने वाले एक दोस्त से मिलने गए थे।

अखिल भारतीय उत्तराखंड महासभा की बैठक, जिला इकाई का गठन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारतीय उत्तराखंड महासभा एक राष्ट्रीय सामाजिक सांस्कृतिक धार्मिक संगठन है जो कि विगत 18 वर्षो से विभिन्न प्रदेशो में निरंतर कार्य कर रही है, जिसकी लखनऊ मंडल में एक बैठक महासभा के कार्यालय विशाल खंड डिगडिगा में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भवान सिंह रावत के अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें जिला इकाई की कमेटी का गठन किया गया इस अवसर पर राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष हेमवंत सिंह गड़िया, राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष राधा बिष्ट, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक असवाल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अंजली बोनाल,राष्ट्रीय कार्यकरणी सदस्य संगीता रावत,राष्ट्रीय कार्यालय सचिव पूरन सिंह बिष्ट, प्रदेश सयोजक बच्ची सिंह डोलिया, प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र सिंह बिष्ट, सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहें.. बैठक में सर्वसहमति से जिला इकाई के पदाधिकारियों का चयन किया गया जिसमें संयोजक युवराज सिंह परिहार अध्यक्ष नारायण जोशी,उपाध्यक्ष महेन्द्र सिंह रावत,

जगदीश बुटोला, महेंद्र सिंह राणा, बृजमोहन नेगी, महासचिव जयबीर सिंह बिष्ट , कोषाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट, सह कोषाध्यक्ष केशव बिटालू, संगठन सचिव नारायण रावत, मीडिया प्रभारी गोपाल सिंह बम, प्रचार सचिव पंकज राणा, कार्यालय सचिव महावीर खांतवाल, कार्यकारिणी सदस्य वीरेंद्र मेहता को बनाया गया.. सभी पदाधिकारीयों को राष्ट्रीय अध्यक्ष भवान सिंह रावत, प्रदेश सयोंजक बच्चे सिंह डोलिया,प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र सिंह ने माल्यार्पण किया..राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि लखनऊ राज्य इकाई फरवरी माह में गठित की जायेगी..बैठक में सुरेंद्र सिंह बिष्ट, हरपाल सिंह गड़िया, मोहन सिंह बिष्ट, गिरीश जोशी,गोकुल उप्रेती, सुरेंद्र सिंह बोरा, प्रदीप सिंह बिष्ट सहित कई लोग उपस्थित रहें।

चलती बाइक पर पीछे बैठे दोस्त ने गला काटा

लखनऊ में युवक ने तड़प-तड़पकर दम तोड़ा, पत्नी से है आरोपी का अफेयर

- **पीजीआई इलाके में शहीद पथ पर प्रदीप की गला रेतकर हत्या कर दी गई। युवक का शव सड़क पर पड़ा मिला। घटनास्थल पर पहुंची पत्नी पति के शव को देखकर बिलख पड़ी।**
- **युवक के शव के पास में ही बाइक खड़ी मिली जिस पर खून ही खून फैला था।**

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ में एक युवक की बेरहमी से गला रेतकर हत्या कर दी गई। उसका खून से लथपथ शव सड़क पर पड़ा मिला। पास में खून से सनी बाइक खड़ी मिली। घटनास्थल पर पहुंची पत्नी पति के शव के पास बैठकर चीखने-चिल्लाने लगी। पुलिस ने शव को कब्जे में

लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना PGI इलाके में शहीद पथ पर मंगलवार देर रात 9 बजे हुई। मृतक की पहचान PGI के उतरठिया गांव के रहने वाले प्रदीप के रूप में हुई है। प्रदीप पत्नी पूजा के साथ यहां किराए के मकान में रहता था। उसके साथ 4 साल बेटा भी रहता था। पति-पत्नी मूलरूप से कानपुर के रहने वाले थे। प्रदीप ऑटो चलाता था। पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। शुरूआती जांच में आया है कि प्रदीप के पीछे बैठे दोस्त तीरथ ने उसकी हत्या की है। तीरथ, प्रदीप के घर आता जाता था।

पूर्व एसपी के नाम पर ऑनलाइन ठगी

कन्नौज। कन्नौज में पूर्व एसपी अमित कुमार आनंद के नाम पर ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। एक ठग ने आईपीएस अधिकारी का नाम इस्तेमाल कर सामान बेचने का झांसा दिया और अपने खाते में पैसे ट्रांसफर करवा लिए। पीड़ित राजेश कुमार वर्तमान में गुरसहायगंज के इंद्रानगर मोहल्ले के निवासी हैं। वह मूल रूप से कानपुर नगर जिले की बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के कालिकापुरवा गांव के रहने वाले हैं। राजेश, फर्रुखाबाद के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तहसीन सिद्दीकी के निजी सुरक्षाकर्मी भी हैं। 20 जनवरी को राजेश कुमार के मोबाइल पर एक नंबर से कॉल आई। कॉलर ने खुद को कन्नौज का पूर्व एसपी अमित कुमार आनंद बताया। उसने राजेश को बताया कि उसका कन्नौज से तबादला हो गया है और उसका फर्नीचर अभी भी वहीं है। ठग ने राजेश पर फर्नीचर खरीदने का दबाव बनाया और क्यूआर कोड के माध्यम से अपने खाते में 50 हजार रुपए ट्रांसफर करवा लिए। इसके बाद उसने बुलेट बाइक के लिए 35 हजार रुपए की और मांग की कॉल कटने के बाद राजेश ने उस नंबर पर दोबारा संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

विवाद: भाई बोले- दो दिन पहले ही पत्नी-बेटी को लेकर आया था, शरीर की 10 हड्डियां टूटी

आईआईटी में सुसाइड के बाद छात्रों का हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर IIT के PHD छात्र राम स्वरूप का आज पोस्टमार्टम कराया गया, 6वीं मंजिल से कूदने की वजह से कूल्हा, पैर, सिर की करीब 10 हड्डियां टूट गई थी, कोमा में जाने के कारण मौत की पुष्टि हुई है। पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने बताया कि अपने साथी स्कॉलर के साथ रिसर्च के लिए कुछ दिन पहले ही अपने प्रोजेक्ट के लिए राजस्थान आया था। इसके बाद वह रविवार को पत्नी मंजू और तीन साल की बेटी चारू को अपने साथ लेकर गया था। चचेरे भाई राजेंद्र चौधरी ने बताया कि वह पढ़ाई में होनहार था, उसने पहले ही प्रयास में आईआईटी में दाखिला लिया था, इसके साथ ही वह एक बेहतरीन एथलीट भी था। वहीं कानपुर IIT में लगातार हो रही मौतों के चलते छात्रों ने कैंपस में देर रात हंगामा किया, उन्होंने डीन का घेराव करते हुए पूछा कि लगातार क्या वजह है जो लगातार बच्चे सुसाइड कर रहे

स्वरूप ईश्वर राम, मृतक

हैं। उन्होंने डीन से सवाल किया कि– जो इन बैलेंसमेंट ऑफ पॉवर हो रहा है, उसके खिलाफ आप क्या एक्शन लेंगे ? छात्रों ने सवाल किया कि– सारा पॉवर प्रोफेसरों के हाथ में दिया जा रहा है, बच्चों की जो मेंटल हेल्थ है, वो क्या फील कर रहे हैं, वो आपको नहीं पता। जिसका डीन ने गोलमोल जवाब दिया। राजस्थान के चूरू में रहते हैं। परिवार में तीन बेटे रामपाल, राम निवास और सबसे छोटा राम स्वरूप ईश्वर (25) था, जो कानपुर IIT से पीएचडी कर रहा था। वह IIT की AA-21, न्यू एसबीआरए बिल्डिंग में रहता था। राम स्वरूप ने मंगलवार दोपहर इसी बिल्डिंग की 6वीं मंजिल से नीचे कूद कर सुसाइड कर लिया था।

दो दिन पहले पत्नी और बेटी को लेकर आया था

सुसाइड करने से कुछ समय पहले उसने पत्नी से लैब जाने की बात कही, फिर लैब न जाकर पत्नी से बोला कि– चलो बालकनी में चलते हैं, इसके बाद बालकनी से ही कूदकर सुसाइड कर लिया। उन्होंने बताया कि राम स्वरूप ने कोई एंगजाइटी की समस्या नहीं बताई थी। घर आने पर भी वह तनावग्रस्त महसूस नहीं कर रहा था। उन्होंने कहा कि मेरा भाई बहुत ही होनहार था, उसने जिस तरीके से सुसाइड किया है उससे लगता है कि उस पर बहुत ज्यादा प्रेशर था।

घटना की जानकारी देते मृतक के भाई

चचेरे भाई राजेंद्र चौधरी ने बताया कि राम स्वरूप ईश्वरम अपनी पत्नी मंजू और 3 साल की बेटी चारू के साथ बीते रविवार को ही कॉलेज परिसर में रहने के लिए आया था। पत्नी 3 महीने की प्रेग्नेंट भी हैं। बताया कि राम स्वरूप हाल ही में रिसर्च के लिए अपने साथी के साथ राजस्थान आया था।

पृष्ठ 01 का शेष...

जज के तबादले ...

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि ऐसे अधिकारियों का अचानक स्थानांतरण न्यायपालिका और नागरिकों के बीच भरोसे पर असर डाल सकता है। स्थानीय न्यायिक और प्रशासनिक जानकारों का मानना है कि यह स्थानांतरण शासन का प्रशासनिक निर्णय है, लेकिन समय और परिस्थितियों के दृष्टिकोण से इसे संवेदनशील और विवादास्पद माना जा रहा है। यामीन के वकील चौधरी अख्तर हुसैन ने बताया- उनके मुवक्किल के बेटे ने पुलिस से छिपकर अपना इलाज कराया। कोर्ट से पूर्व सीओ अनुज चौधरी और पूर्व इंस्पेक्टर अनुज तोमर सहित अज्ञात पुलिस-कर्मियों के खिलाफ FIR की मांग की गई थी। हिंसा के बाद पुलिस ने 3 महिलाओं सहित 79 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया था। संभल कोतवाली एवं थाना नखासा में कुल 12 एफआईआर दर्ज की गई। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क, सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल सहित 40 लोगों के खिलाफ नामजद और 2750 अज्ञात लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की थी। 18 जून को SIT ने 1128 पन्नों में सांसद बर्क सहित 23 लोगों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। हालांकि, सपा विधायक के बेटे सुहैल इकबाल का नाम चार्जशीट में शामिल नहीं है। इस क्रम में कुल आठ अन्य न्यायिक अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन किए गए हैं। विभांशु सुधीर का कार्यकाल चंदौसी में मात्र तीन माह का रहा। उनके स्थानांतरण से जुड़ी प्रशासनिक वजहों का विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है।

लालच की ...

राहुल ने यह टिप्पणी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट में की। उन्होंने कहा, 'देश भर में लालच की महामारी फैल चुकी है। शहरी सड़ांध इसका सबसे डरावना चेहरा है। हमारा समाज इसलिए मर रहा है क्योंकि हमने इस सड़ांध को 'न्यू नॉर्मल' मान लिया है। सुन्न, खामोश और उदासीन होकर। जवाबदेही की मांग कीजिए, नहीं तो यह सड़ांध हर दरवाजे तक पहुंच जाएगी।' राहुल ने अपने पोस्ट में #TINA (There Is No Accountability) हैशटैग किया। इससे कुछ दिन पहले, नोएडा में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत के बाद भी राहुल ने जवाबदेही की कमी का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था कि यह घटना भारत में फैल रही लालच की संस्कृति और अन्य जीवों के प्रति असंवेदनशीलता का सीधा नतीजा है।

कर्नाटक के ...

तमिलनाडु विधानसभा सत्र के दौरान मंगलवार को राज्यपाल आरएन रवि राष्ट्रगान के अपमान का आरोप लगाते हुए स्पीच दिए बिना ही असेंबली से बाहर चले गए थे। राज्यपाल ने आरोप लगाया कि उनके भाषण में रुकावट डाली गई। उन्होंने कहा कि मैं निराश हूं। राष्ट्रगान को उचित सम्मान नहीं दिया गया। पिछले सालों की तरह गवर्नर ने कहा कि तमिल गान के बाद राष्ट्रगान बजाया जाए, लेकिन स्पीकर अप्पावु ने इसके लिए मना कर दिया। इसके बाद गवर्नर रवि शुरुआती भाषण पढ़े बिना ही विधानसभा से बाहर चले गए। इससे पहले 2024-25 में भी वे ऐसा कर चुके हैं। गवर्नर के वॉकआउट के बाद विपक्षी AIADMK के नेता भी असेंबली से बाहर चले गए और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं तमिलनाडु CM ने इसे असेंबली का अपमान बताया है। राज्यपाल के असेंबली से बाहर जाने के बाद लोक भवन ने प्रेस रिलीज जारी की। रिलीज में कहा गया कि एक बार फिर राष्ट्रगान का अपमान किया गया। गवर्नर का माइक बार-बार बंद किया गया। उन्हें बोलने नहीं दिया गया।

शंकराचार्य ...

अधिवक्ता का तर्क है कि प्रशासन का पत्र अविमुक्तेश्वरानंद की प्रतिष्ठा, गरिमा और सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला है। 'सुप्रीम कोर्ट की अवमानना' का दाव नोटिस में आरोप लगाया गया है कि यह पूरा मामला माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। ऐसे में प्रशासन का हस्तक्षेप कोर्ट की गरिमा को चुनौती देने जैसा है। नोटिस के अनुसार, प्रशासन की यह हरकत Contempt of Courts Act, 1971 और भारतीय संविधान के अनुच्छेद 129 के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। यदि प्रशासन अपना पत्र वापस नहीं लेता है, तो उनके खिलाफ मानहानि और अवमानना की कानूनी कार्यवाही शुरू की जाएगी। अधिवक्ता ने बताया कि शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने एक फरवरी 2017 को एक रजिस्टर्ड वसीयत के जरिए स्वामी सदानंद सरस्वती को द्वारका शारदापीठ और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को ज्योतिष्पीठ का उत्तराधिकारी घोषित किया था।

86वाँ अखिल ...

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन में लगातार व्यवधान लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जब सदन बाधित होता है, तो आम नागरिक को नुकसान होता है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से 'डिसरप्शन' के बजाय 'डिस्कशन और डायलॉग' की संस्कृति अपनाने की अपील की। श्री बिरला ने कहा कि पीठासीन अधिकारी केवल कार्यवाही संचालित करने वाले नहीं, बल्कि संविधान के प्रहरी और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के संरक्षक होते हैं। उनकी निष्पक्षता और संवेदनशीलता ही सदन की गरिमा और दिशा तय करती है।

महिला आयोग ने कल्याण योजनाओं की कार्यशाला आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उ.प्र. राज्य महिला आयोग आज द्वारा ''समाज कल्याण विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विषयक एक कार्यशाला'' का आयोजन मा. अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान, उ.प्र. राज्य महिला आयोग की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यशाला का शुभारम्भ आयोग की मा. अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान, मा. उपाध्यक्ष श्रीमती चारू चौधरी, मा. सदस्यगण उ.प्र. राज्य महिला आयोग एवं सुश्री शिल्पी सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी व श्री नदीम सिद्दीकी, जिला समाज कल्याण अधिकारी लखनऊ द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। अत्याचार से उत्पीड़ित अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को आर्थिक सहायता योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति वितरण योजना, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्रों का संचालन, अनुसूचित जाति छात्रावास संचालन, जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों का संचालन, मुख्यमंत्री

अभ्युदय योजना, उत्तर प्रदेश ट्रांसजेन्डर कल्याण बोर्ड एवं उ.प्र. माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं वृद्धाश्रमों का संचालन आदि योजनाओं के सम्बन्ध में सम्पूर्ण जानकारी दी गयी एवं मा. पदाधिकारियों द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में आगामी जनसुनवाई/जागरूकता चौपाल के दौरान महिलाओं/बालिकाओं को सम्बन्धित उपरोक्त विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ दिये जाने पर बल दिया गया।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676